

असाधारण EXTRAORDINARY

> भाग I—वाण्य । PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 207]

नई विल्ली, शुक्रवार, नवम्बर 3, 1989/क्रांतिक 12, 1911

N 2071

NEW DELHI, FRIDAY, NOVEMBER 3, 1989/KARTIKA 12, 1911

इ.स. भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

वाणिज्य मंत्रालय

(म्रायात व्यापार नियंत्रण)

सर्विजनिक सूचना सं. 179 माई.टी.सी. (पी. एन.)/88-91

मई विल्ली, 3 नवस्त्रर, 1989

विषय:---- अप्रोल 1988--- मार्च, 1991 के लिए मायात-निर्यात नीति।

फा. सं. ब्राई.पी.सी /4/पी.-134/15/85-86:---वाणिज्य मंत्रालय की सार्वजितिक सूचना सं.-1 ब्राई. टी. सी. (पी. एत.)/88-91, विनोक 30 सार्च, 1988 के भ्रधीम प्रकाशित म्राप्रैल, 1988---मार्च, 1991 के लिए ग्रायात निर्योत नीति की ग्रोर व्यान दिलाया जाता है।

2. उक्त नीति में निम्नलिखित संशोधन नीचे उल्लिखिन उचित स्थानों पर किए आऐंगे :---

क्य सं

ग्रायात-निर्यात नीति

(162)

सन्दर्भ

संगोधन

1988-91 (**बाण्ड**ा) की पुष्ठ सं

का पुष्ठ स ,

1. 165

परिशिष्ट 6

मद सं. 35 को निम्नलिखित द्वाग प्रतिस्थापित किया जाण्गाः—

खुले सामान्य लाहसेंस के ब्रन्तर्गत मदों का ग्रामास मद सं. 35

अभिमं० मव

पात्र आसातकों की श्रेणीयो

जिनमें

राष्ट्रीय

"35(क) प्रीक्षिक वैज्ञानिक भीर तकनीकी पुस्तकें (क्षप्या हल परिशिष्ट की सूची-7 में विषयों की विस्तृत सूची देखें)

गः विश्व-विद्यालय भीर मान्यता प्राप्त शीक्षाक तथा मनुसंधान संस्थान शामिल है

(2) सार्वजनिक राज्य लायक्रेरियां

(1) विश्य-विद्यालय

:

- (3) उच्च शिक्षा संस्थान।
- (4) मान्यता प्राप्त प्रकाशक भौर पुस्तक विकेता जिनकी न्यूनतम वार्षिक विकी 5 लाख रु. की हो।
- (5) भौग्रोगिक प्रतिष्ठानों के चनु -संधान एवं विकास युनिट
- (6) धपने व्यवसायिक प्रयोग के लिए वैज्ञानिक बाक्टर, इंजीनियर, विश्वविद्यालय, प्रोफेयर, वकील, सनवी लेखापाल घावि जैसे व्यवसायी वर्षों कि जनका एक वित्तीय वर्षे में प्रायात लागत बीमा भाड़ा मूल्य के 10,000 रु. से घषिक का नहीं।
- (ख) शैक्षिक, वैज्ञानिक भीर तक-भीकी पत्रिकाएँ, न्यूज मैन्जीन्स तथा भखवार

सभी व्यक्तियों द्वारा"

2

171 परिशिष्ट 6

(170) खुला सामान्य लाइसेंस के घ्रान्तगैत घायातों को शासित करने वाली गर्ते गर्त सं. 36

- वर्तमान उप पैरा (6) के बाद निम्नलिखित उप पैरा को जोड़ा जाएगा:—
 "(7)(क) प्रकाशक तथा पुस्तक बिकेता माल की निकासी के समय
 सीमा शुक्क प्राधिकारियों के समक्ष दुकान तथा प्रतिष्टान
 प्रधितियम के प्रक्तांत प्रयते पंजीकरण की मूल या
 फोटो कापी (जो इस समय वैद्य है) या प्रकाशकों/पुस्तक
 बिकेताओं के किमी व्यावसायिक संघ की सदस्यता का
 प्रमाणपत्र प्रस्तुत करेंगे। नकवी/लागत लेखाकार या कम्पनी
 सचिव, जोकि फर्म का साक्षेवार नहीं है निवेशक या कर्म
 के किसी कर्मचारी व इसके किसी सहयोगी द्वारा
 पुस्तकों की वार्षिक विश्री की भाग को वशति हुए किया गया
 प्रमाणपत्र को प्रस्तुत करना प्रपेक्षित होगा।
 - (छ) शैक्षिक घौर मनुसंधान संस्थानो उल्ल शिक्षा के संस्थानों तथा पश्चिक लाय होरी को निकासी के समय सीमाणुल्क प्राधिकारियों के समक्ष, केन्द्र या राज्य सरकार घथका विश्वविद्यालय द्वारा, जैसा भी मामला हो उन्हें, मान्यता विए जाने संबंधी प्रमाणपण प्रस्तुन करन होगा घौर उन्हें इस प्राजय की एक बोधजा करनी होगी कि घायातिस पुस्तके उनके स्वयं के इस्तेमाल के किए हैं। निजी रूप से वित्तपोधित धनुसंधान संस्थानों को जिन्हें केन्द्रीय, या राज्य सरकार से घौपचारिक रूप से मान्यताप्राप्त नहीं है इस घाषाय का प्रमाणपद्ध प्रस्तुन करना होगा कि उन्हें अनके हारा किए जा रहे प्रध्ययन धनुसंधान परियोजनाकों के लिए उन्हें सरकार से धनुवान प्राप्त हुमा है।
 - (ज) व्यावसायिकों को निकासी के समय सीमाणुल्क प्राधिकारियों को सगत व्यावसायिक निकाय संघ की अपनी सदस्यता के संबंध में माक्य प्रस्तुत करने होंगे। उन्हें वर्ष के दौरान किए गए आयातों का विवरण और इस आशय की घोषणा भी प्रस्तुत करनी होगी कि लाहसेंमिंग वर्ष के दौरान उनका हुल आयात 10,000 इ. के मूल्य से अधिक का नहीं हुआ है।
 - (8) पृस्तकों का भागात केवल प्रकाशकों से या भारत के लिए उनके प्राधिकृत वितरकों से ही किया जाएगा भौर इसे भीजक पर प्रमाणित किया जाएगा।"

- 3 इस सार्वजिनिक सूचना में उल्लिखित पात्र श्रेणियों में उपर स्नायामकों द्वारा गैक्षिक वैज्ञानिक, श्रोप तकमीकी पुस्तकों के भाषात की भागति तभी दी जाएगी जबकि इस सार्वजिनिक सूचना की तारीख से पूर्व भागरिवर्तनीय साख्यक खोल लिए हों ग्रौर स्थापित कर लिए हों तथा इस सार्वजिनिक सूचना के जारी होने की तारीख से 90 (नब्बे) विमो के भीतर पोतलवान कर लिए गये ही।
 - 4 भाषान निर्यात नीति मे उपर्युक्त संगोधन लोकहित मे किए गये है।
 - 5. कालम 2 में कोच्टकों में दी गई संख्या 31 मार्च, 1989 तक यथामंशोधित ग्रायास निर्यात नीति की पृष्ठ संख्या को दर्शाती है।

तेजेन्द्र सन्ना, मुख्य नियंत्रक, द्वायात नीति

MINISTRY OF COMMERCE

(Import Trade Control)

PUBLIC NOTICE NO. 179 - ITC (PN)/88-91

New Delhi, the 3rd November, 1989

Subject: Import and Export Policy for April 1988-March 1991.

F.No. IPC/4/P-134/15/85-88.—Attention is invited to the Import and Export Policy for April 1988—March 1991, published under the Ministry of Commerce Public Notice No. 1-ITC(PN)/88-91 dated the 30th March, 1988, as amended.

2. The following amendments shall be made in the Policy at approp iate places indicated below:—

Sl. Page No. of Import and No. Export Policy, 1988-91 (Volume I)		Reference	Amendment		
1	2	3	4		
1,		Appendix 6 Import of items under Open General Licence item No. 35	Item No. 35 shall be substituted by the following:		
			Sl. No.	Items	Categories of eligible importers
			"35(a)	Educational Scientific and Technical books (please see illustrative list of subjects in List 7 of this Appendix)	(i) Universities including de- emed Universities and re- cognised educational and research institutions.
					(ii) Public, National and State Libraries.
					(iii) Institutions of higher learning.
					(iv) Recognised publishers and booksellers having a mini- mum annual sales turn- over of Rs, 5 lakht.
					(v) Research & Development Units of Industrial Es- tablishments.
			(1	b) Educational, Scientific and Technical journals; news maga- zines and newspapers.	(vi) Professionals like Scientists, doctors, engineers, University Professors advocates, Chartered Accountants etc., for their own professional use provided the c.i.f. value of imports by them shall not exceed Rs. 10,000/- in a financial year. By all persons."

Condition No. 36.

1 2 3

Appendix 6 Conditions governing Imports under Open General Licence graphs shall be added:—

After the existing sub-paragraph (vi), the following sub-paragraphs shall be added:—

"(vii) (a) Publishers and booksellers shall at the time of clearance of the goods produce to the Customs authorities the original or a photocopy thereof (currently valid) of their registration under the Shops and Establishments Act, or evidence of membership of one of the professional associations of publishers/booksellers. A certificate from Chartered/Cost Accountant or Company Secretary who is not a partner, a director or an employee of the firm or its associates, indicating the annual sales turnover of books shall also be required

to be produced.

(b) Educational and research institutions, institutes of higher learning and public libraries shall produce to the Customs authorities at the time of clearance, evidence of their recognition by Central or State Government or University, as the case may be, and a declaration to the effect that the books imported are for their own use. Privately funded research institutions which do not have formal recognition either by Central or State Government shall be required to produce evidence of having received Government grant for conducting studies/research projects undertaken by them.

- (c) Professionals shall produce to the Customs authorities at the time of clearance evidence of their membership of the relevant professional body/association. They shall also be required to furnish a statement of imports made during the year and a declaration that the total imports do not exceed the value of Rs. 10,000 during the licensing year.
- (viii) Bcoks should be imported only from publishers or their accedited distributors for India and this should be certified on the invoice."

TEJENDRA KHANNA, Chief Controller of Imports & Exports

^{3.} Import of educational, scientific and technical books by importers other than the eligible categories mentioned in this Public Notice shall not be permitted except to the extent of irrevocable letters of credit opened and established before the date of this Public Notice and for which shipments are made within a period of 90 (Ninety) days from the date of this Public Notice.

^{4.} The above amendments in the Import and Export Policy have been made in public interest.

^{5.} The number in brackets in Column 2 indicates the page number of the Import and Export Policy as amended upto 31st March, 1989.